IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

स्वच्छता अभियान में सफाईकर्मियों का योगदान एवं उनकी स्थिति

(इंदौर नगर निगम के सन्दर्भ में)

डॉ. सुधा जैन
शोध निर्देशिका, प्राध्यापक समाजकार्य, इन्दौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इन्दौर
देवेन्द्र सिंह राठौर
शोधार्थी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रस्तावना :– स्वच्छ भारत मिशन एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और यह भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना है, जिसके अंतर्गत शहरों, कस्बों और गांवों की साफ–सफाई के लिए शुरू की गयी है। 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी जी की 145 वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किया गया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का स्वप्न था जो माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसकी शुरुआत की। स्वच्छ भारत मिशन एक कदम स्वच्छता की ओर इस अभियान से में बहुत प्रेरित हुआ एवं इस अभियान को लेकर लोगों में भी उत्साह व जागरुकता देखने को मिले व उनका सहयोग भी प्राप्त हुआ। सभी नागरिक भारत देश को एक स्वच्छ भारत के रूप में देखना चाहते है। इसलिये सभी नागरिक अपनी–अपनी समस्या एवं सुझाव साझा कर रहे है।

इसके अंतर्गत नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मियों पर स्वच्छता को लेकर कई कार्य बांटे गये । जा रहा है जो कि गलत है। क्योंकि नगर निकाय में स्वच्छता का महत्वपूर्ण योगदान सफाई कर्मियों का है और उन्हें ही सामाजिक, आर्थिक व अन्य समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। नगर निकाय में कई कर्मचारियों को अस्थाई रखा गया है तो कई कर्मचारियों का वेतन समय पर नहीं मिलता। सफाई कर्मचारी की नगर निकाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है अर्थात् हम कह सकते हैं कि अगर उन कर्मचारियों को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए, जिससे कि नगर निकाय के स्वच्छता कार्य को सुचारु रुप से क्रियान्वित किया जा सके। व्यापक परिदृश्य में देखे तो 'स्वच्छ भारत का सपना हमारी उन छोटी–छोटी आदतों पर टिका है जो हम रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाते हैं। सिर्फ नदी, नाले सड़क या भवनों की साफ–सफाई तक इस सपने को सीमित न करे, बल्कि दो कदम बढ़ाते हुए ये सोचे कि हम इसमें व्यक्तिगत रूप से क्या योगदान दे सकते है हम और आप एक जागरुक नागरिक की तरह सिर्फ सोचे ही नहीं, व्यवहार भी करें, क्योंकि आने वाली नस्लों को खुबसूरत. सक्षम और मजबूत भारत देने का ख्याब हम सभी का है। आज के समय में हमारे लिए कचरे को कहीं भी फेंक देना सामान्य है। परंतु एक दिन यही कचरा हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या बनने वाला है। क्योंकि इससे गंभीर बीमारिया उत्पन्न होती है, जिससे हर दिन लाखों लोगों की जाने जा रही है। एक रिपोर्ट से पता चला है कि दुनिया के किसी देश में हर रोज बाढ़, भूकंप या और कोई कुदरती समस्या होती ही है। इन सभी प्राकृतिक आपदाओं की मुख्य वजह कचरा है। इसी कारण कचरे को प्रकृति का सबसे बड़ा दुश्मन कहा जाता है। इस कचरे को सही ठिकाने लगाने मे सफाई कर्मी लगातार लगे रहते है ।

कचरा प्रबंधन :– किसी भी कचरे को सही तरह से निपटाने के लिए उसे संग्रह परिवहन निगरानी और उस पर कुछ खास प्रक्रिया करनी पड़ती है। उसे ही कचरा प्रबंधन या अपशिष्ट प्रबंधन कहते है। यह कचरा मानव और प्रकृति के दैनिक कामकाज से उत्पन्न होता है। अगर इस कचरे को सही तरह से प्रबंधन ना किया जाए तो यह पूरी दुनिया के लिए खतरा है। लेकिन मनुष्य अभी भी कचरे का निपटान या प्रबंधन करने के बजाय तेजी से उत्पादन कर रहा है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो आने वाले समय में हम प्रकृति के कुछ ऐसे भयानक रूप देखेंगे जो आज से पहले हमने कभी नहीं देखे होंगे। यहाँ कचरा प्रबंधन जैसा आवश्यक कार्य सफाई कर्मियों के द्वारा ही किया जाता है. वे दिन रत म्हणत करके कचरा संग्रहण कर कचरे के सही तरीके से प्रबंधन का भी कार्य करते है ।

सफाई कर्मियों का समाज में योगदान :– सफाई कर्मचारी समाज का सबसे महत्वपूर्ण परंतु सबसे उपेक्षित वर्ग है। हालांकि, अपने इसी सफाई कार्य के कारण इस वर्ग को संक्रमण का अत्यधिक खतरा होता है। वैश्विक महामारी 'कोविड 19 को रोकने के लिए ये 'युद्ध स्तर' पर जुटे हैं। सफाई कर्मियों को भी 'कोरोना–योद्धा' के रूप में सम्मानित किया जा रहा है। सरकार सफाई कर्मियों को भी कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपकरण मुहैया कराए। समाज का कर्तव्य है कि सफाई कर्मी को उचित सम्मान दे। शुरुआत उनके नाम से पहले 'साथी' या 'मित्र' लगाकर संबोधित करें।यह सफाई कर्मी हर जगह अपने जिम्मेदारियों को

ISSN 2581-9429 IJARSCT

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

निभाने में लगे रहते हैं। ये सैनिकों की तरह अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर अपना कार्य कर रहे हैं। सफाईकर्मी कोरोना के खिलाफ जंग में अस्पताल हो, कार्यालय हो, शहर हो या मोहल्ला, सबसे पहले उन जगहों पर पहुंच कर अपने कार्य में लग जाते हैं। इनके जज्बे व समर्पण को सलाम किया जाना चाहिए।संकटकालीन परिस्थितियों में सफाई कर्मचारी भी जी–जान से स्वच्छता अभियान में सुचारु रूप से अपना योगदान दे रहा है। सरकारी, गैर–सरकारी अस्पताल परिसरों, कमरों, वार्डों, शौचालयों नाले–नालियों अथवा घरों की साफ–सफाई बिना संकोच व पूर्ण निष्ठा से करते हुए वातावरण को संक्रमण रहित स्वच्छ बनाने में लगे हैं। इस कठिन दौर में सामाजिक जिम्मेवारी निभाने वाले इन योद्धाओं को विशेष सुख–सुविधाएं समय–समय पर मुहैया करवाई जानी चाहिए।सफाई कर्मचारी एक मां की तरह समाज की सुरक्षा कर रहे हैं। प्रशासन को भी सफाई कर्मियों को समय पर वेतन देना चाहिए ताकि वे भी अपना जीवन सुचारु रूप से चला सकें। इनके बिना हमारा समाज अधूरा है। स्वस्थ जीवन के लिए मनुष्य के जीवन में स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

वैश्विक महामारी कोरोना के इस दौर में आवश्यक संसाधनों के अभाव में भी सफाईकर्मी पूरी निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। इस राष्ट्रीय सेवा के लिए उन्हें विशेष सम्मान दिया जाना चाहिए। सफाई कर्मियों के प्रति हमें सामाजिक नजरिया बदलने की आवश्यकता है। समाज में सफाई कर्मियों की महती भूमिका को देखते हुए उनके जीवनस्तर को सुधारा जाना चाहिए।सफाई कर्मी जान हथेली पर रखकर अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। सामाजिक स्तर पर सफाई कर्मियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण अवांछनीय और निंदनीय है। सफाई कर्मियों को उचित सम्मान, पारिश्रमिक और नवीनतम उपकरण उपलब्ध कराना सरकार का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। अंतराष्ट्रीय मापदंडों के आधार पर इस वर्ग को संरक्षण देना समय की मांग है। राष्ट्र और समाज में सफाई कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण ही नहीं जीवनरक्षक है।

सफाई कार्य मे जनता की भागीदारी – इंदौर में सफाई कर्मियों की स्थिति एवं जन भागीदारी के अर्न्तगत इंदौर के पाटनीपुरा क्षेत्र में भी रहवासी सड़कों पर उतरे और झाड़ू थामकर सफाई की। लोग स्वेच्छा से आगे आकर सफाई कर रहे हैं। उनका कहना है कि सफाई मित्र साल में सिर्फ एक दिन अवकाश पर रहते हैं। इसलिए यह हमारा दायित्व है कि हम शहर को साफ रखें।

इंदौर शहर में गोगा नवमी के अगले दिन सफाई मित्रों के अवकाश होने पर आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा सड़कों पर सफाई करने की परंपरा चार साल से चल रही है। इस वर्ष सफाई कार्य का यह पांचवा साल है। इंदौर के कलेक्टर मनीष सिंह चार साल पूर्व जब निगम आयुक्त के पद पर थे तब उन्होंने इस परंपरा को शुरू करवाया था।

कामन वेल्थ देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली निवासी अजय कश्यप ने भी रणजीत हनुमान मंदिर के आसपास सफाई की। राजवाड़ा के बाद महापौर इस क्षेत्र में भी पहुंचे और सफाई की। यहां के लोगों ने भी उनका साथ दिया। बंगाली चौराहे पर पार्षद प्रणव मंडल, महेश जोशी, संजू ठाकुर , भेरूलाल, निलेश ने सफाई की गयी ।

इंदौर मे नवाचर – इंदौर स्वच्छता में छह बार देश का नंबर वन शहर इंदौर अपने नवाचारों के लिए भी पहचाना जाता है। नगर निगम द्वारा अभी शहर में सीवरेज की सफाई के लिए रोबोटिक मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन इन मशीनों से फिलहाल सिर्फ चौंबरों की सफाई ही हो पाती है। यदि सीवर पाइपलाइन में खराबी या लीकेज है तो उसे ठीक करने के लिए खुदाई करनी होती है। शहर के कुछ युवाओं ने अपने स्टार्टअप के माध्यम से इस समस्या का हल भी खोज लिया है।

यहां ऐसे रोबोट तैयार किए जा रहे है, जिनसे ड्रेनेज चौंबर के अलावा सीवरेज पाइपलाइन की सफाई भी की जा सकती है। इसकी रोबोटिक भुजा पाइप लाइन में जमी गंदगी व ब्लाकेज को भी हटा सकेगी। इसमें गैस सेंसर, कैमरे भी लगे हुए हैं। इसकी मदद से रोबोट पाइपलाइन के लीकेज की जानकारी देने के साथ यह भी बता देगा कि कहां गैस बन रही है। इससे सुधार कार्य के लिए होने वाली खुदाई से तो मुक्ति मिलेगी ही खुदाई से अस्तव्यस्त होने वाले यातायात से भी राहत मिलेगी। अब निगम क्षेत्र में इसके माध्यम से सफाई होने लगेगी।

शोध अध्ययन पद्धति

शोध अध्ययन पद्धति में गुणात्मक शोध पद्धति का मुख्यतया प्रयोग किया गया है जिसके अंतर्गत विवरणात्मक शोध पद्धति का प्रयोग किया गया। है । प्रस्तुत अध्ययन का सम्बन्ध नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों की समस्याओं के अध्ययन से है। अतः इसमें विवरणात्मक शोध पद्धति को उपयुक्त जानकर इसका प्रयोग किया जायेगा।

अध्ययन का क्षेत्र :– प्रस्तुत शोध विषय में तथ्य संकलन के लिए सर्वेक्षण हेतु इन्दौर संभाग के अंतर्गत आने वाली नगर निगम, नगर पालिका निगम, नगर परिषद आदि को लिया गया है। नगर निगम के लिए इंदौर शहर लिया गया।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना।
2. नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों की कार्य दशाओं को जानना ।
3. नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य स्थिति का अध्ययन करना।

तथ्यों का संकलनः तथ्यों का संकलन अर्थात तथ्यों को एकत्रित करने के लिए शोधकर्ता के द्वारा निम्नलिखित स्त्रोतों का प्रयोग किया गया ।

1. **प्राथमिक स्त्रोत** – प्राथमिक स्त्रोत के अंतर्गत आने वाले स्त्रोत इस प्रकार है :–
   - साक्षात्कार अनुसूची
   - साक्षात्कार निर्देशिका
   - अवलोकन

तालिका -1.4

कल्याण योजनाओं की जानकारी

क्रमांक	कल्याण योजनाओं की जानकारी है	आवृति	प्रतिशत
1	थोड़ी बहुत	23	57.5
2	पूर्ण जानकारी	11	27.5
3	कुछ भी नहीं	6	15.0
	कुल	40	100

इस तालिका द्वारा यह ज्ञात होता है , की सफाई कर्मियों को उनके लिए चलायी जा रही योजनाओं का अधिक ज्ञान एवम जानकारी नहीं है, जिन्हें इसकी पूर्ण जानकारी है उसका प्रतिशत केवल **27.5** है , यह बहुत कम है जबकि **57.5** ऐसें है जिन्हें थोड़ी बहुत जानकारी ही है. सफाई कर्मियों के द्वारा यह कहा भी गया है की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एक व्यक्ति कार्यालय में स्पष्ट जानकारी देने के लिए होना चाहिए.

शोध अध्ययन से उपलब्ध प्राप्तियाँ –

अध्ययन से उपलब्ध प्राप्तियाँ -

- 80 प्रतिशत के द्वारा बताया गया की उन्हें निगम के द्वारा एक ही प्रकार का कार्य दिया जाता है. अन्य ने बताया की अलग अलग प्रकार से कम दिया जाता है ।
- 60 प्रतिशत ने बताया की सफाई कार्य में उनके योगदान को महत्व दिया जाता है ,जबकि 40 प्रतिशत ने कहा उनके योगदान को नहीं माना जाता है. उसका कोई महत्व नहीं है
- कार्य के सम्बन्ध में 62.5 प्रतिशत ने जानकारी दी की उनको रूचि के अनुसार कार्य प्रदान नहीं किया गया. अतिरिक्त कार्य करवाया जाता है परन्तु बहुत कम को इसका वेतन मिलता है , 62.5 प्रतिशत ने अतिरिक्त कार्य का वेतन नहीं मिलना बताया गया.
- सफाई कर्मियो की स्वास्थ्य की समस्याओं में श्वास की समस्याएँ 37.5 एवं 30.5 प्रतिशत ने बताया की उन्हें त्वचा की परेशानी है स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु व्यवस्था है, जिसमें 52.5 ने जवाब दिया की स्वास्थ्य सुविधा बिलकुल अच्छे से नहीं है, एक भी ऐसा उत्तरदाता नहीं था जिसने ये जवाब दिया की बहुत अच्छी स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था रहती है. महिला पुरुषों

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

की तुलना में महिलाएं पुरुषों से अधिक स्वास्थ्य परेशानी से गुजर रही है उनका प्रतिशत 51.61 है जबकि पुरुषों का प्रतिशत 42.85 है ।

निष्कर्ष

स्वच्छता अभियान में सफाई कर्मी का अनगिनत योगदान है लेकिन उन्हें उस आधार पर कही पर भी महत्व नहीं दिया जा रहा है, उनकी स्थिति दयनीय है। सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं सामाजिक संगठन इस क्षेत्र में कार्य करके सफाई मित्रो की स्थिति को सुधार सकते है

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. भट्टाचार्य डॉ. तपन (2015) मध्यप्रदेश सामाजिक शोध, लोक विकास एवं अनुसंधान ट्रस्ट, इन्दौर।
[2]. गुप्ता यू.सी. वर्मा प्रतीक (2016), ग्रामीण विकास परियोजना, अर्जुन पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
[3]. झा सिद्धार्थ (2016), कुरुक्षेत्र, ग्रामीण विकास को समर्पित, स्वच्छ भारत से होगा
[4]. समग्र भारत का विकास (2016) नई दिल्ली।
[5]. कडकिया श्रीमती बबीता, डॉ. मंगल रमेश (2002). वाणिज्य, इन्दौर नगर पालिक
[6]. निगम के कार्य एवं वित्त व्यवस्था का आलोचनात्मक अध्ययन, इन्दौर।